अति दुर्गम मतदान केन्द्र

हिमाच्छादित पर्वत श्रेणियों से घिरे उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र जो अपने प्राकृतिक सौन्दर्य के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं, वहीं उनकी दुर्गमता प्रशासनिक एवं मतदान सम्बन्धी कार्यों को सुचारू रूप से सम्पादित करने के लिये प्रशासन के समक्ष चुनौती प्रस्तुत करती है। जनपद चमोली के जोशीमठ के अत्यंत दुर्गम क्षेत्र के गाँव डुमक में सुगम, समावेशी एवं सहभागितापूर्ण चुनाव कराने का संकल्प 10 सदस्यों के युवा मतदान दल ने सफलतापूर्वक सम्पादित किया। राज्य का दूरस्थ मतदान केन्द्र ''डुमक'' गांव (पैदल मार्ग 22 कि0मी0) समुद्रतल से 6000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यहाँ तक पहुंचने के लिए टीम मतदान दिवस से दो दिन पूर्व 12 फरवरी को जिला मुख्यालय गोपेश्वर से प्रस्थान कर 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सड़क से जुड़े हुए अंतिम गांव पाखी तक पहुंची।

पाखी से डुमक तक पहुंचने के लिए मतदान दल ने अत्यंत दुर्गम पहाड़ी रास्तों से गुजरते हुए 22 कि0मी0 तक का पैदल सफर तय किया। कठिन रास्ता तय कर रात्रि पड़ाव कलगोठ गांव में किया। मतदान दल 13 फरवरी सांय डुमक पहुंचा। मतदान केन्द्र तक मतदान सामग्री कुशलतापूर्वक पहुँचाने के लिए बीच–बीच में सुविधानुसार खच्चरों की भी सहायता ली गयी। खड़ी चढ़ाई, नदी, खाले, बर्फ के रास्ते पार करते हुये मतदान दल के सभी सदस्य शारीरिक रूप से थके होने के बावजूद पूरे जोश के साथ 14 फरवरी मतदान दिवस की तैयारी के लिये जुटे रहे।

इस दुर्गम मतदान केन्द्र के लिये–

- 10 युवा अधिकारी/कर्मचारी तैनात किये गये।
- EVM-VVPAT हेतु उपलब्ध कराये गये बैग डुमक के लिये सहायक सिद्ध हुये।
- मतदान दिवस के दिन कोरोना गाइडलाइन का पूरा पालन किया गया।

04–बद्रीनाथ विधानसभा क्षेत्र के इस डुमक गांव में कुल 246 मतदाता पंजीकृत हैं, जिसमें से 175 मतदाताओं ने (72%) ने 14 फरवरी 2021 को अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

डुमक में सफलतापूर्वक मतदान करवाकर स्थानीय प्रशासन ने चुनाव कौथिग–2022 की उत्साहपूर्ण सोच को सार्थक किया है।